ये अव्यक्त इशारे

इस अव्यक्ति मास में बन्धनमुक्त रह जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करो

14-01-2026

ब्राह्मण जीवन में देह का बंधन, संबंध का बंधन, साधनों का बंधन–सब खत्म हो गया ना! कोई बंधन नहीं। बंधन अपने वश में करता है और संबंध स्नेह का सहयोग देता है। तो देह के सम्बन्धियों का देह के नाते से सम्बन्ध नहीं लेकिन आत्मिक संबंध है। ऐसे ब्राह्मण अर्थात् जीवन-मुक्त।

In this avyakt month, stay free from bondage and experience the stage of liberation in life

In Brahmin life, all your bondages of bodies, relationships and facilities have finished, have they not? There are now no bondages. Bondages influence you, whereas relationships give you loving co-operation. So, you don't have any bondage of your physical relatives, but you just have spiritual relationships. Such Brahmins means those who are liberated-in-life.